देशभक्ति के रंग और आजादी के जश्न में रंगा नजर आया एसएमएस स्टेडियम

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में सैकड़ों स्कूली विद्यार्थियों और लोक कलाकारों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और राजस्थानी लोक संस्कृति की छटा बिखेरी।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम (एसएमएस स्टेडियम) देशभक्ति के रंग और आजादी के जश्न में रंगा नजर आया। मौका था 76वें स्वतंत्रता दिवस का। जब सैकड़ों स्कूली विद्यार्थियों और लोक कलाकारों ने यहां देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और राजस्थानी लोक संस्कृति की छटा बिखेरी।

- **आजादी से पूर्व स्वतंत्रता दिलाने और आजादी के बाद भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए बलिदानों को हम कभी भूल नहीं सकते : सीएम**
- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने प्रदेश बीजेपी कार्यालय और बड़ी चौपड़ पर तिरंगा झंडा फहराया**

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यहां तिरंगा झंड़ा फहराकर परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद कार्यक्रम का आगाज हुआ। इससे पहले गहलोत ने अमर जवान ज्योति पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और अपने निवास पर भी तिरंगा फहराया। समारोह में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि आजादी से पूर्व स्वतंत्रता दिलाने और आजादी के बाद भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए बलिदानों को हम कभी भूल नहीं सकते। इन्हीं की वजह से भारत हमेशा एकजुट रहा, जबकि कई देशों के टुकड़े हो गए। यह दिन देश की आजादी के लिए चली लंबी लडाई में ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सैनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। स्वतंत्रता दिवस पर सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और आमजन संविधान की मूलभावना के अनुरूप आचरण करने और संविधान में प्रदत्त कर्तव्यों की पालना करने का संकल्प लें। समारोह में मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के कामकाज का ब्यौरा रखते हुए स्वास्थ्य-चिकित्सा, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार और प्रदेश में किये गए विकास कार्यों को भी गिनाया।

दूसरी ओर राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को राजभवन में स्वतंत्रता दिवस पर झण्डारोहण किया। बाद में उन्होंने पांचवी बटालियन आरएसी गारद की सलामी ली। राज्यपाल ने राजभवन परिसर स्थित राजकीय विद्यालय के उच्च प्राप्तांक वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार रुप में भारतीय संविधान पर लिखी पुस्तक भेंट की तथा मिठाई वितरण कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने राजभवन स्थित औषधीय उद्यान में गूलर का पौधा भी लगाया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र, राज्यपाल के परिजन, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसी प्रकार भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश बीजेपी कार्यालय और बड़ी चौपड़ पर तिरंगा झंडा फहराया और प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी, जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजय पाल सिंह, मुकेश दाधीच, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगडी, महेन्द्र सिंह जाटव, अशोक सैनी, पूर्व सांसद नारायण पंचारिया, रामकुमार बैरवा, जिलाध्यक्ष राघव शर्मा सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उधर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने तिरंगा फहराकर सलामी दी। डोटासरा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश के महान स्वतंत्रता सैनानियों के संघर्ष एवं कुर्बानियों के फलस्वरूप देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली है। कांग्रेस के नेताओं ने जिस प्रकार आजादी की लडाई के दौरान राष्ट्रध्वज के सम्मान को बनाए रखने के लिए अंग्रेजी शासन की कठोर यातनाओं को सहन किया, उसी प्रकार कांग्रेस के कार्यकर्ता राष्ट्रध्वज के सम्मान में अपने जीवन को न्यौछावर करने से पीछे नहीं हटेंगे।

नदबई विधायक को नोटिस तामील नहीं हुआ

जयपुर, (का.सं.)। खनन व्यवसायी की मानहानि से जुडे मामले में नदबई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना के खिलाफ जारी हुए नोटिस की तामील नहीं हुई है। तामील कुनिंदा की ओर से अदालत को नोटिस लौटाते हुए कहा गया कि उन्हें एमएलए नहीं मिले हैं। इस पर अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-2 ने दौलत सिंह के दावे पर 29 अगस्त को सुनवाई रखी है।

दावे में कहा गया है कि बीती 17 जुलाई को विधायक की ओर से उच्चैन कस्बे में एक पंचायत आयोजित की गई थी। जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग आए हुए थे। इसमें संबोधित करते हुए विधायक ने उनको भ्रष्ट और कई आरोप लगाए थे। जबकि उस पर आज तक एक भी आरोप नहीं लगा है। दौलत सिंह ने आरोप लगाया गया कि विधायक जोगिंदर सिंह अवाना उनकी बंसी पहाड़पुर स्थित खान को हड़पना चाहते हैं। इसके चलते वे उसके खिलाफ अनर्गल बयान दे रहे हैं। दावे में कहा गया कि विधायक ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो वायरल कर उसकी छवि को धूमिल किया है।

प्रदेश में करोना संक्रमण से तीन लोगों की मौत हुई मंगलवार को

हालांकि, राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 191 नए संक्रमित मिले, जबकि सोमवार को इनकी संख्या 401 रही थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण से मंगलवार को तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं 17 जिलों में 191 नए संक्रमित मिले हैं। पिछले चौबीस घंटों में करीब साढ़े छह सौ मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 4131 रह गए हैं।

- **जयपुर में मंगलवार को थोड़ी गिरावट के बाद 75 नए संक्रमित मिले हैं**

प्रदेश में मंगलवार को जयपुर, गंगानगर और सवाई माधोपुर में करोना से 1-1 मरीज की मौत हो गई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9596 लोगों की जान जा चुकी है। इधर आज राज्य के 17 जिलों में 191 नए संक्रमित मिले है। इससे पहले सोमवार को 401 रोगी पाए गए थे। उधर राज्य में संक्रमितों की संख्या घटने का कारण जांचें कम होना बताया जा रहा है। सोमवार को स्वतंत्रता दिवस का अवकाश होने के कारण केवल 3811 जांचे हो सकी। इधर आज राजधानी जयपुर में नए संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। इस दौरान जिले में 75 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा उदयपुर में 27, प्रतापगढ़ में 24, अलवर में 13, जोधपुर में 11, डूंगरपुर में 9, पाली में 8, बूंदी में 6, सवाई माधोपुर में 5, भीलवाड़ा में 4, कोटा में 3 तथा अजमेर, धौलपुर, गंगानगर, जैसलमेर, जालौर और झालावाड़ में एक-एक नया संक्रमित मिला है।

वहीं इस बीच राज्य में 643 मरीज ठीक हुए हैं। रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर 4131 रह गए हैं। जयपुर में भी 176 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस कम होकर 1395 रह गए हैं। इसके अलावा अलवर में 559, उदयपुर में 523, भरतपुर में 348 और चित्तौड़गढ़ में 148 लोगों का इलाज चल रहा है।

राजधानी जयपुर में मंगलवार को 28 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 9 मरीज मालवीय नगर में मिले हैं। इसके अलावा सांगानेर में 7, दुर्गापुरा में 6, मानसरोवर व वैशाली नगर में 5-5, जवाहर नगर व सोड़ाला में 4-4, आदर्श नगर, सी-स्कीम, जगतपुरा व विद्याधर नगर में 3-3, झोटवाड़ा, किशनपोल, सीकर रोड व तिलक नगर में 2-2 तथा अजमेर रोड, बनीपार्क, गोपालपुरा, गोविंदगढ़, हरमाड़ा, झालाना डूंगरी, खातीपुरा, मुरलीपुरा, शास्त्री नगर, टोंक रोड और सिंधी कैम्प इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं तीन संक्रमितों के पते गलत मिले हैं।

पैरामिलिट्री फोर्स के ट्रकों में दो नंबर का पैसा भरकर बीजेपी दफ्तरों तक पहुंचता है : गहलोत

"गोवा, अरुणाचल, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में आलू प्याज से सरकारें नहीं बदली गई हैं"

जयपुर, (का.प्र.)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से पैरामिलिट्री और पुलिस के ट्रकों के जरिए भाजपा कार्यालयों में पैसा पहुंचाने के आरोपों के बाद राजनीति गरमा गई है। स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि पैरामिलिट्री फोर्स और पुलिस के ट्रकों में दो नंबर का पैसा भरकर बीजेपी के दफ्तरों तक पहुंचता है।

गहलोत ने कहा था कि ये क्या करते हैं, मालूम है आपको? ये पैरामिलिट्री फोर्सेज या पुलिस वालों को पकड़ते हैं, जहां इनकी सरकारें हैं। ट्रक में भरकर पैसा लाते हैं, बीजेपी दफ्तर के पिछवाड़े ले जाते हैं ट्रक को। उससे वो बॉक्स उतारते हैं और अंदर डालते हैं। गाड़ी पुलिस की होती है, उसे पकड़े कौन? लोग सोचते हैं इनके रंगरूट आए होंगे मदद करने। ये बहुत बड़ा षडयंत्र है देश के साथ। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है, सच्चाई आपके साथ है।

गहलोत ने कहा कि गोवा, अरुणाचल, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और अब महाराष्ट्र में आलू प्याज से सरकारें नहीं बदली गई हैं। आप बताइए मोदीजी ने नोटबंदी की। कॉमन सेंस की बात है, 1000-500 के नोट बंद कर दिए, वो नोट बड़ी जगह घेरते हैं। आपने 1000 का नोट बंद करके 2000 का नोट क्यों शुरू कर दिया? रुपए का जो ट्रांसपोर्टेशन होता है, उसमें 2000 का नोट जगह कम घेरेगा, इसीलिए यह किया। गहलोत ने यह भी कहा कि मोदीजी का गुजरात मॉडल फ्लॉप था। गुजरात मॉडल के नाम पर पूरे देश को धोखा दिया। आडवाणी जी ने शुरुआत की, मोदीजी इसके सहारे दिल्ली पहुंचे। उन्होंने कहा कि मॉडल कुछ था ही नहीं, केवल मार्केटिंग थी। बीजेपी वाले आज भी मार्केटिंग पर हजारों करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। आईटी और सोशल मीडिया का जमाना है, बीजेपी वाले इस पर जमकर पैसा खर्च कर रहे हैं। इनको पूछो कि आप हिंदू राष्ट्र की बात करते हो। जब हिंदू राष्ट्र बन जाएगा तब अगड़े-पिछड़े लोग भी हैं। आप छुआछूत को मिटाने की बात क्यों नहीं करते हो? 100 साल का आपका आएसएस संगठन है, सांस्कृतिक संगठन है, जिस पर सरदार वल्लभ बाई पटेल ने रोक लगाई थी। संघ पर प्रतिबंध लगा दिया था।

हालेप ने जीता टोरंटो ओपन

टोरंटो, 15 अगस्त (वार्ता) विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिमोना हालेप ने रविवार को ब्राज़ील की बीट्रिज़ हद्दाद माइया को हराकर टोरंटो ओपन खिताब जीता। रोमानिया की हालेप ने अपनी ब्राज़ीलियन प्रतिद्वंदी को 6-3, 2-6, 6-3 से हराकर डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष 10 में अपनी वापसी पर मुहर लगायी।

हालेप ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हद्दाद मैया के खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता। उन्होंने मुझे कुछ हफ्ते पहले हराया था। मुझे पता था कि यह एक अच्छी चुनौती और अच्छा मुकाबला होगा। मैं वास्तव में खुश हूं कि महत्वपूर्ण क्षणों में मैं मजबूत प्रदर्शन कर पायी।" हालेप ने कनाडा में अपनी इस जीत के साथ तीसरी बार नेशनल बैंक ओपन का खिताब हासिल किया। हालेप की टोरंटो में यह पहली जीत है, जबकि उनके पिछले नेशनल बैंक ओपन खिताब मॉन्ट्रियल में आये थे।

खेलों में लहराया भारत का परचम : मोदी

नयी दिल्ली, (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लाल किले की प्राचीर से कहा कि भारत ने भाई-भतीजावाद संस्कृति को पीछे छोड़ा है और अब खेल के मैदान में 'सामर्थ्य का सम्मान' हो रहा है। मोदी ने खेल के क्षेत्र में भारत की हालिया उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, "ऐसा तो नहीं कि देश के पास पहले प्रतिभाएं नहीं रही होंगी। ऐसा तो नहीं कि खेल के मैदान में हिन्दुस्तान के बेटे-बेटियां कुछ कर नहीं सकते थे, लेकिन चयन प्रक्रिया भाई-भतीजेवाद के माध्य से गुजरती थी।" उन्होंने कहा, "जब पारदर्शिता आयी और योग्यता के आधार पर खिलाड़ियों का चयन होने लगा और खेल के मैदान में सामर्थ्य का सम्मान हुआ तो दुनिया में खेल के मैदान में भारत का तिरंगा लहराया। अब दुनिया में भारत का राष्ट्रगान गाया जाता है। जब भाई-भतीजावाद से मुक्ति होती है तो यह नतीजे आते हैं।"

कारेनो बुस्ता ने जीता पहला मास्टर्स 1000 खिताब

मॉन्ट्रियल, (वार्ता) स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्ता ने रविवार को मॉन्ट्रियल ओपन के फाइनल में पोलैंड के ह्यूबर्ट हरकाज़ को हराकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता। कारेनो बुस्ता ने फाइनल से एक शाम पहले संवाददाता सम्मेलन में इस सत्र को उनका "अपने करियर का सबसे खराब सत्र" बताया था, लेकिन फाइनल में हरकाज़ को 3-6, 6-3, 6-3 से हराकर उन्होंने इस साल की अपनी पहली जीत दर्ज की। उन्होंने मैच के बाद कहा, "मास्टर्स 1000 का विजेता बनना एक अद्भुत अहसास है। यह निश्चित रूप से मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ खिताब है और मुझे नहीं पता कि मैं इस समय कैसा महसूस कर रहा हूं।" कारेनो बुस्ता ने कहा, "मुझे पता है कि पूरे सप्ताह के दौरान हमने बहुत मेहनत की। हर समय सकारात्मक रहना बहुत महत्वपूर्ण है। यह साल मेरा सबसे अच्छा सीजन नहीं है। मैंने कुछ मैच गंवाए हैं जो शायद अन्य सीजन में नहीं हारे होते, लेकिन मैंने अपनी टीम पर, खुद पर और अपने खेल में विश्वास बनाए रखने की कोशिश की।"

फीफा का निलंबन का निर्णय आश्चर्यजनक: प्रशासनिक समिति

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रशासनिक समिति ने फीफा के फैसले पर निराशा व्यक्त की

नयी दिल्ली, 16 अगस्त (वार्ता)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रशासनिक समिति (सीओए) ने मंगलवार को फीफा द्वारा एआईएफएफ को निलंबित करने के फैसले पर आश्चर्य और निराशा व्यक्त की।

समिति ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार फीफा, एशियाई फुटबॉल महासंघ (एएफसी), एआईएफएफ, सीओए और खेल मंत्रालय के बीच बीते कुछ दिनों से गहन बातचीत चल रही थी, और ऐसे में फीफा का यह निर्णय आश्चर्यजनक है।

सीओए ने कहा, "जबकि सीओए माननीय उच्चतम न्यायालय के तीन अगस्त को पारित किये गये फैसले को लागू करने के लिये प्रतिबद्ध था, वह सभी हितधारकों से लगातार संपर्क में भी था।"

सीओए , फीफा-एएफसी , एआईएफएफ और खेल मंत्रालय के बीच पिछले कुछ दिन की बातचीत में यह सुझाव आया कि 36 राज्य-प्रतिनिधियों को मिला कर गठित निर्वाचन मंडल के साथ एआईएफएफ की कार्यकारिणी समिति (ईसी) के चुनाव करा लिए जाएं।

फीफा ने खेल मंत्रालय के जरिये यह सुझाव भी दिया था कि ईसी में छह प्रतिष्ठित खिलाड़ियों सहित 23 सदस्य हो सकते हैं। इस सुझाव के अनुसार खिलाड़ियों को नामित किया जाएगा जिनमें दो प्रतिष्ठित महिला खिलाड़ी होंगी और नामित सभी खिलाड़ियों को कार्यकारिणी समिति में मताधिकार प्राप्त होगा। इस तरह समिति में नामित खिलाड़ियों का मताधिकार 25 प्रतिशत से अधिक होगा।

खिलाड़ियों को छोड़ कर बाकी 17 सदस्यों का चुनाव निर्वाचन मंडल द्वारा किया जाएगा जिनमें अध्यक्ष, महासचिव, कोषाक्ष्यक्ष, उपाध्यक्ष और सह-सचिव जैसे पदाधिकारियों का चुनाव भी शामिल होगा। इस मुद्दे पर सीओए का नजरिया तीखा है। उसका कहना है कि यह सुझाव फीफा-एएफसी द्वारा एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव को 25 जुलाई 2022 को लिखे पत्र से मिलता जुलता है। उसके पत्र में कहा गया है, 'हमें दिए गए संविधान के मसौदे के अनुसार वर्तमान 36 सदस्यीय संघ से "एआईएफएफ कांग्रेस' में अतिरिक्त 36 प्रतिष्ठित खिलाड़ी होंगे। यद्यिप हम इस बात से सहमत हैं कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जानी चाहिए पर हमारा यह भी मानना है कि एआईएफएफ के वर्तमान सदस्यों के महत्व को कम नहीं माना जाना चाहिए। पर हम 'भारत की खेल-कूद संहिता' की शर्तों को भी समझते हैं और हमने एआईएफएफ को सुझाव दिया था कि वह अपनी कार्यकारिणी समिति में 25 प्रतिशत सदस्यता प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के लिए रखे और वे मनोनीत सदस्य के रूप में रखे जाएं।"

सीओए ने बयान में यह भी कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार एक स्वतंत्र समिति की निगरानी में चुनाव करवाने का प्रबंध किया था, जो फीफा के 15 अगस्त के आदेशों के अनुरूप थी। चुनाव कराने के लिए बहुत प्रतिष्ठित लोगों को रखा गया था।

फीफा ने 15 अगस्त को एआईएफएफ को लिखे पत्र में कहा था, "समवर्ती रूप से, कार्यकारी समिति के नए चुनाव करवाने के लिए एआईएफएफ की आम सभा द्वारा एक स्वतंत्र चुनाव समिति का चयन किया जाएगा।"

सीओए ने कहा कि ऐसे समय जबकि वर्तमान मसले का संभावित समाधान निकालने के लिए सभी हितधारकों के बीच बातचीत चल रही थी, फुटबाल क्षेत्र के वैश्विक विनियामक ने भारतीय फुटबॉल को निलंबित करने के फैसला कर दिया। सीओए ने इसे आश्चर्यचकित करने वाली कार्रवाई बताया है।

उसने कहा, "फीफा के 15 अगस्त, 2022 के पत्र में कहा गया है कि भारतीय फुटबॉल को 14 अगस्त, 2022 से निलंबित किया जा रहा है, जबकि उसके और भारत में इस खेल से संबंधित सभी हितधारकों के बीच 15 अगस्त की देर रात तक गहन चर्चा जारी थी।"

सीओए के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अनिल दवे ने कहा, "फीफा की ओर से इस तरह का निर्देश दुर्भाग्यपूर्ण है। यह ऐसे समय आया है जब कि भारतीय फुटबॉल की व्यवस्थाओं को सही रास्ते पर लाने के प्रयास किए जा रहे थे। बहरहाल, हम इस स्थिति का सही समाधान खोजने के लिए और देश में फुटबॉल को दोबारा सही ढर्रे पर लाने के लिये फीफा सहित सभी हितधारकों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा, यह वास्तव में खेदजनक है कि लगभग दो वर्षों से जिस निकाय का कार्यकाल पहले ही पूरा हो चुका था, वह बिल्कुल अलोकतांत्रिक और अवैध तरीके से चलता रहा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। लेकिन जब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने चीजों को ठीक करने का आदेश पारित किया ताकि एक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित निकाय कार्यभार संभाल सके, तब फीफा द्वारा भारत के निलंबन का आदेश पारित कर दिया गया।

ज़िम्बाब्वे दौरे पर शाहबाज़ ने ली सुंदर की जगह

18 अगस्त से भारत और ज़िम्बाब्वे को तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला खेलनी है

मुंबई, 16 अगस्त (वार्ता) युवा ऑल-राउंडर शाहबाज़ अहमद को ज़िम्बाब्वे दौरे के लिये वाशिंगटन सुंदर के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने मंगलवार को यह सूचना दी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि सुंदर इंग्लैंड में एक काउंटी मैच के दौरान चोटिल हो गये थे, जिसके कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है। भारत को ज़िम्बाब्वे में तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला खेलनी है, जिसकी शुरुआत 18 अगस्त से होगी।

गौरतलब है कि सुंदर रॉयल लंदन कप में लंकाशर और वॉर्वेस्टरशर के एक मैच के दौरान फील्डिंग करते हुए चोटिल हो गये थे। वह पिछले एक साल में चोट और कोविड-19 के कारण ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे हैं। सुंदर की जगह टीम में आये शाहबाज़ डोमेस्टिक क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेलते हैं, जबकि आईपीएल में वह रॉयल चैलेंजर बैंगलोर का हिस्सा हैं। शाहबाज़ ज़िम्बाब्वे दौरे पर भारत की ओर से पदार्पण कर सकते हैं।

तीन एकदिवसीय मैचों के लिए भारतीय टीम : केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर , कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, शाहबाज़ अहमद।

इयन चैपल ने 45 साल बाद कमेंट्री को कहा अलविदा

सिडनी, (वार्ता)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और क्रिकेट कमेंटेटर इयन चैपल ने अपने 45 साल लंबे कमेंट्री करियर को विराम देने का निर्णय लिया है।

अपनी तीक्ष्ण टिप्पणियों के लिये क्रिकेट जगत में मशहूर 78 वर्षीय चैपल ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के सामने इस बात का खुलासा करते हुए कहा, "मुझे वह दिन याद है जब मुझे पता लग गया था कि मेरा दिल क्रिकेट से भर गया है। मैंने घड़ी की ओर देखा, और (टेस्ट मैच के) खेल के दिन समय 11 बजे से पांच मिनट आगे बढ़ चुका था। मुझे एहसास हुआ कि यदि आप घड़ी की तरफ देख रहे हैं, तो आपके जाने का समय आ चुका है।"

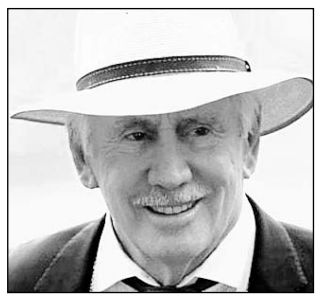

उन्होंने कहा, "जब कमेंट्री की बात आती है, तो मैं इस बारे में काफी समय से सोच रहा हूं। कुछ सालों पहले मुझे दिल का दौरा पड़ा था। मैं भाग्यशाली रहा, लेकिन उसके बाद सब कुछ कठिन हो गया। मैंने विचार किया कि सफर के दौरान चीजें और मुश्किल हो जाएंगी।"

जब चैपल से पूछा गया कि वह किस तरह याद किया जाना पसंद करेंगे, तो उन्होंने कहा, "यह दूसरे लोगों के ऊपर है कि वे मुझे किस तरह याद करते हैं। कुछ सोचेंगे कि मैं ठीक-ठाक था। कुछ सोचेंगे कि मैं बहुत बुरा था। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

चैपल ने 75 टेस्ट मैचों के अपने करियर के बाद कमेंट्री बॉक्स का रुख किया था। वह करीब तीन दशक तक चैनल नाइन के प्रसारण समूह का हिस्सा बने रहे। हाल ही में चैपल स्किन कैंसर सहित कई बीमारियों से गुजरे हैं, लेकिन उन्होंने प्रिंट एवं प्रसारण माध्यमों पर क्रिकेट संबंधी विचार साझा करना जारी रखा है।

वेस्ट इंडीज़ ने मैच जीता, न्यूज़ीलैंड ने शृंखला

न्यूज़ीलैंड ने शृंखला 2-1 से अपने नाम की

जमैका, (वार्ता) वेस्ट इंडीज़ ने ओडियन स्मिथ (चार ओवर, तीन विकेट) और ब्रैंडन किंग (53 रन) के महत्वपूर्ण योगदानों की बदौलत न्यूज़ीलैंड को तीसरे टी20 मैच में आठ विकेट से मात दी।

न्यूज़ीलैंड ने विंडीज़ को 20 ओवर में 146 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने 19 ओवर में ही हासिल कर लिया। न्यूज़ीलैंड ने हालांकि इस हार के बावजूद तीन मैचों की शृंखला 2-1 से अपने नाम की।

विंडीज़ ने टॉस जीतकर ब्लैक कैप्स को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया। न्यूज़ीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने 26 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की बदौलत 41 रन बनाये। मार्टिन गप्टिल (15), डेवन कॉनवे (21) और केन विलियमसन (24) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और कीवी टीम ने सात विकेट के नुकसान पर 145 रन बनाये।

कैरिबियाई टीम की ओर से स्मिथ ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि अकील हुसैन ने चार ओवर में 28 रन के बदले दो विकेट झटके। डॉमिनिक ड्रेक्स और हेडेन वॉल्श जूनियर को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

वेस्ट इंडीज़ के सलामी बल्लेबाजों ने 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को बेहतरीन शुरुआत दी। ब्रैंडन किंग और शमारह ब्रूक्स के बीच 102 रन की विशाल साझेदारी हुई। किंग ने 35 गेंदों पर चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए 53 रन की पारी खेली। ब्रूक्स उनका समर्थन करते हुए 56(59) रन पर नाबाद रहे। अंत में रोवमैन पॉवेल ने कसर पूरी करते हुए 27(15) रन की पारी खेलकर टीम को छह गेंद रहते लक्ष्य तक पहुंचाया।